पौलुस और बरनाबास विभिन्न जातियों के बीच काम करते हैं।

परमेश्वर कुछ सेवकों को भेजता है कि वह अन्य जातियों के बीच कलीसिया शुरू करें।

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वह टी 4 बी का अध्ययन करें।

1. हृदयों को प्रार्थना और वचन द्वारा तैयार करो कि सेवकों को अन्य जाति में भेज सको।

प्रार्थनाः प्रभु, आपने हमारी कलीसिया को प्रेरित किए। हमें और उन्हें शिक्षा दे कि प्रेम से दूसरी संस्कृति के बीच आपके लिए काम करें।

पृष्टभूमिः बाइबल में गैर-यहूदी लोगों को नास्तिक कहा गया है। पुराने और नए नियम में वादा किया गया है कि सारे नास्तिक लोग सुसमाचार में यीशु के विषय में सुनेगें।

प्रेरितो के काम अध्याय 14:8-14 में ढूढें कि अगर हम दूसरे लोगों की संस्कृति को नहीं समझते हैं तो क्या होता है।

लिकाउनियन पौलुस और बरनाबास को देवता समझकर बलि चढ़ाते हुए।

- पौलुस और बरनाबास ने परमेश्वर की सामर्थ दिखाने के लिए क्या किया (14:8-10)
- लुकाउनियम ने लडके को चंगाई पाने में किसके लिए सोचा (11-12)
- पौलुस और बरनाबास के लिए लोग क्या करना चाहते थे (13)
- पौलुस और बरनाबास ने उनको क्या समझाया (14-15)

उत्पत्ति अध्याय 12:14 में ढूढें, परमेश्वर का सब लोगों के समूह के लिए बदलने वाला उद्देश्य (देश, जाति और सभ्यता) हर प्रश्न के बाद उत्तर है।

- परमेश्वर ने अब्राहम से कहाँ जाने को कहा? (पद 1)
- अब्राहम वहाँ जाकर क्या बनना चाहता था (पद 2)
- कौन से लोगों के समूह अब्राहम द्वारा आशिष पाएँगे (पद 3)

गलतियों अध्याय 3:8-14 में ढूंढ़ें कि अब्राहम से किया वादा कैसे पूरा हुआ।

- परमेश्वर अन्य जाति समूह के नास्तिक लोगों के लिए क्या करना चाहता था (3:8)
- परमेश्वर द्वारा आशिष पाने के लिए नास्तिक क्या करें (9)
- यीशु क्या करे कि लोग यहूदियो के कानून के बिना आशिष पाए? (13)

- इब्राहिम को कैसी आशिष का वादा किया जिससे सारे देशों के विश्वासी यीशु में विश्वास के द्वारा उसे प्राप्त करें।

प्रेरितों के काम अध्याय 10:11-28 में ढूंढें जो दूसरी जाति समूह के साथ काम करते हैं उनका स्वभाव कैसा होना चाहिए।

- पतरस ने परमेश्वर द्वारा दर्शन में क्या सुना (10:11-16)
- जब हमें दूसरे जाति समूह के साथ काम करने का अवसर मिलता है तो पवित्र आत्मा हमें क्या करने को कहता है (18-23)
- जब हम अन्य जाति समूह के साथ काम करते है तो हमारे लिए हमारा क्या उद्देश्य होना चाहिए (24-27)
- उन जाति समूह के प्रति हमारा क्या रवैया होना चाहिए जो हमारे संस्कारों को पसन्द नहीं करते है (28)

प्रेरितो के काम अध्याय 15:1-31 में ढूंढें, कई कलीसिया कैसे एक साथ काम करते हैं जिससे जातिय मतभेदों का हल निकाला जा सके।

2. आने वाले सप्ताह की गतिविधियों का सहकर्मी यो से मिलकर योजना बनाए। अपने शहर और नगरों में विभिन्न जाती समूह को प्रचार करें।

मसीह धर्म प्रचारक और कलीसियाओ द्वारा कौनसा समूह उपेक्षित है, विचार करें। यह समूह किस तरह तुम्हारे समान है और कैसे भिन्न है।

उन जाति समूह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

- समूह में कितने लोग हैं?
- उनमें मसीहों का अनुपात क्या है?
- कितनी मसीह कलीसियाए और छोटे समूह वहाँ पहले से ही है?
- कौन सी कलीसियाए और कार्य, तुम्हारे अलावा, उन जाति समूह में तुम्हारे सहयोग से काम कर सकते हैं।
- उन समूह के विश्वास और रीति रिवाज तुम्हारे समान कैसे है। तुमसे भिन्न कैसे है,

विचार करे और योजना बनाए।

- तुम्हारी कलीसिया से किस सेवक को भेजा जाए, जो प्रत्येक उपेक्षित जाति समूह के साथ काम करे। (जिसके पास दूसरे समूह में काम करने की इच्छा और योग्यता हो)
- उनके काम में कौन उनको शिक्षा देगा।
- उनके काम में वह कैसे सहायता करेंगे? क्या उनमें कुछ आत्मनिर्भर है, पौलुस की तरह, जब उसने कुरिन्थि में तम्बू बनाया था। (प्रेरितों के काम 18:1-13)
- आपकी कलिसिया उन्हें कब भेजेगी।

शिक्षक का सामान और पौलुस तिमुथियुस सामग्री शिक्षक को भेजने का प्रबन्ध करें।

3. आने वाली कलीसियाई आराधनाओं की अपने सहकर्मी यों के साथ योजना बनाए।

वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार गतिविधियाँ चुनिए, जिसके लिए आपके पास समय हो।

भाग एक में आपने क्या अध्ययन किया, बताएँ। और वे प्रश्न ही पूछिए।

- जब पौलुस और बरनाबास लुस्त्रा में काम रहे थे तो वहाँ क्या हुआ (प्रेरितो के काम 14:8-14)

- सब देशों के लिए परमेश्वर ने इब्राहम से क्या वादा किया था (उत्पति 12:1-4)
- इस वाचा के अनुसार हमें पवित्र आत्मा कैसे प्राप्त होता है (गलतियों 3:8-14)
- परमेश्वर ने पतरस का नजरिया उन जाति समूह के प्रति कैसे बदल दिया जिनको यहूदी पसन्द नहीं करते थे (प्रेरितो के काम 10:11-28)

प्रेरितो के काम अध्याय 15 से समझाओ, क्यों यहूदी मसीह यह सोचते थे कि नास्तिको को यहूदी व्यवस्था अपनानी चाहिए, इससे पहले कि वह बचाए जाए। इस समस्या को उन्होंने कैसे सुलझाया।

- बहुत सी कलीसियाओ के बुजुर्ग इस विरोध पर विचार विमर्श करने के लिए प्रेरितो से मिले।
- पतरस ने बताया कि बिना यहूदी बने, कुरनेलियुस ने कैसे पवित्र आत्मा के ग्रहण किया। (15:8-9)
- बरनाबास और पौलुस ने बताया कि परमेश्वर ने नास्तिको के बीच में कैसे अद्‌भुत कार्य किए। (पद 12)
- याकूब ने निर्णय दिया कि नास्तिक अपनी सस्कृंति बदले बिना मसीह बन सकते हैं। (पद 19)

जिसने अन्य जाति समूह में फिलहाल काम किया है वह बताएँ कि परमेश्वर इनके बीच क्या कर रहा है।

बच्चों ने जो तैयार किया वह प्रस्तुत करें।

प्रभु भोज के सम्बन्ध में यशायाह अध्याय 53 पढ़ें।

क्या विश्वासियों ने छोटे समूह बनाए जो, अन्य जाति समूह के लिए तथा उन सेवकों के लिए जो उन तक सुसमाचार ले जाते हैं, मध्यस्थ बनकर प्रार्थना करें ताकि वह बचाए जा सके।

प्रकाशितवाक्य अध्याय 7:9 एक साथ याद करें।